The Proud Crow

Tale from Hitopdesha

घमंडी कौआ

हितोपदेश की कथा

The Proud Crow

Tale from Hitopdesha

HITOPADESHA TALES

घमंडी कौआ

हितोपदेश की कथा

Once upon a time there was a very proud crow.

One day, as he was sitting on the bank of a very wide river, he saw a flock of geese fly to the bank.

He said, "Ha! Look at those geese, they can't fly half as gracefully as I!"

एक बार की बात है, एक बहुत घमंडी कौआ था.

एक दिन, जब वो एक बहुत चौड़ी नदी के किनारे बैठा था, उसने हंसों के झुंड को किनारे की ओर उड़ते हुए देखा.

कौवे ने कहा, "ज़रा देखो तो उन हंसों को, वे मेरी तुलना में आधी शान से भी नहीं उड़ सकते हैं!"

The geese landed near him. One goose looked at him and politely said, "Hello Mr, Crow, how do you do?"

He turned to the goose and said in a vain voice, "Hello! I see that you all are a bunch of clumsy fliers! Would you like me to teach you to fly?"

हंस कौवे के पास आकर उतरे. एक हंस ने उसकी ओर देखा और विनम्रता से कहा, "हैलो मिस्टर, कौवे, आप कैसे हैं?"

कौवा उस हंस की ओर मुड़ा और बड़े घमंड से बोला, "हैलो! मैं देख रहा हूं कि आप सभी उड़ने में काफी अनाड़ी हैं! क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हें उड़ना सिखाऊं?"

The goose was very offended by the crows remark and said, "No thank you! Our wings serve us well and we don't need to be taught to fly!"

हंस, कौवे की टिप्पणी से काफी आहत हुआ और बोला, "नहीं धन्यवाद! हमारे पंख हमारी अच्छी सेवा करते हैं और हमें उड़ना सीखने की आवश्यकता नहीं है!"

The crow laughed and said, "Well you can fly! But it's quite a clumsy way to fly. You can't do somersaults or glide in the breeze! Here let me show you how well I fly!”

कौआ हँसा और बोला, "ठीक है, तुम उड़ सकते हो! लेकिन उड़ने का तुम्हारा काफी अजीब तरीका है. तुम कलाबाज़ी नहीं लगा सकते और न ही हवा में बिना पंख फड़फड़ाए ग्लाइड कर सकते हो! देखो मैं तुम्हें दिखाता हूँ कि मैं कितनी अच्छी तरह उड़ सकता हूँ!"

The crow then flapped his wings and flew; doing somersaults and gliding in the air.

He then said, "See how well I fly! I challenge you to a flying competition.”

कौवे ने फिर अपने पंख फड़फड़ाये और वो हवा में उड़ा. उसने हवा में कलाबाजी लगाईं और बिना पंख फड़फड़ाए ग्लाइड किया.

फिर कौवे ने कहा, "देखो मैं कितनी अच्छी तरह उड़ सकता हूँ! मैं तुम्हें एक उड़ान प्रतियोगिता के लिए चुनौती देता हूँ."
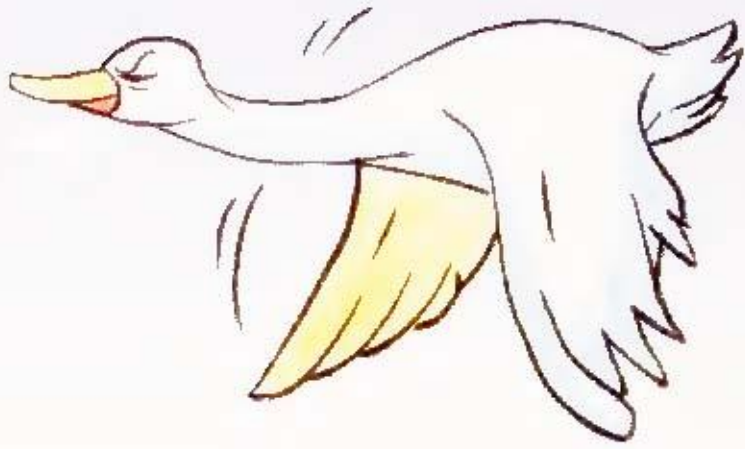
The goose said. "Fine! I accept your challenge."

He then rose into the air and began flying. The crow followed making nasty remarks about the goose

हंस ने कहा. "ठीक है! मैं तुम्हारी चुनौती स्वीकार करता हूँ."

फिर हंस उठा और हवा में उड़ने लगा. कौआ, हंस के बारे में गंदी टिप्पणियाँ करता हुआ उसके पीछे-पीछे उड़ा.

The goose ignored the crow and flew on.

He flew and he flew and soon they were so far over the river that they could not see even a speck of land below.

हंस ने कौवे को नजरअंदाज किया और सिर्फ उड़ता रहा.

वो उड़ता रहा और उड़ता रहा. और जल्द ही वे नदी के इतने ऊपर उड़ रहे थे कि उन्हें नीचे जमीन का एक टुकड़ा भी दिखाई नहीं दे रहा था.
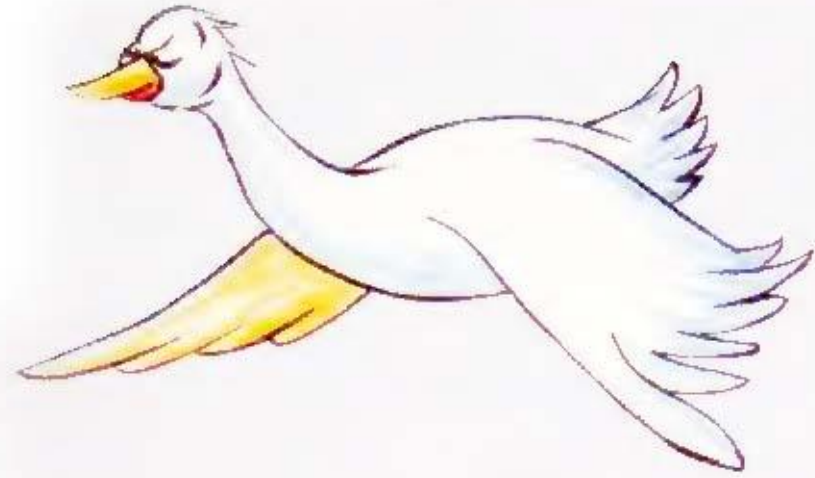
The crow began to get tired and started flying lower and lower. The goose on the other hand kept flying.

He turned to the crow and said, "Wow! Mr, Crow is that another trick of yours to fly so close to the water?"

कौआ थकने लगा और फिर नीचे के स्तर पर उड़ने लगा. दूसरी ओर हंस आसमान में और ऊपर उड़ता गया.

हंस, कौवे की ओर मुड़ा और उसने कहा, "वाह! मिस्टर कौवे क्या पानी के इतने करीब उड़ने में भी तुम्हारी कोई और चाल छिपी है?"

The crow was losing his strength fast and said, "No brother, I can fly no more. I’m going to drown if I don't have some rest. Please help me!"

कौआ तेजी से अपनी ताकत खो रहा था और वो बोला, "नहीं भाई, मैं अब और अधिक नहीं उड़ सकता. अगर मुझे थोड़ा आराम नहीं मिला तो मैं डूब जाऊँगा. कृपया कर मेरी मदद करो!"

The goose felt sorry for the crow and so, he carried the crow on his back to the bank of the river.

The crow lay gratefully and said, "Thank you for saving my life brother goose! I'm very sorry for being so rude and proud. I hope you will forgive me."

हंस को कौवे पर दया आ गई और वो कौवे को अपनी पीठ पर बैठाकर नदी के किनारे ले गया.

कौआ कृतज्ञतापूर्वक रेत में लेट गया और बोला, "मेरी जान बचाने के लिए धन्यवाद, हंस भाई! मुझे इतना अशिष्ट और घमंडी होने के लिए बहुत खेद है. आशा है कि तुम मुझे माफ कर दोगे."

The goose said, hope you realize that though I may not be able to do tricks, my wings serve me in a very different way. I will forgive you if you promise never to be overcome by your pride.”

हंस ने कहा, आशा है तुम्हें यह एहसास हो गया होगा कि भले ही मैं कलाबाज़ियां नहीं लगा पाता हूँ, लेकिन मेरे पंख बिल्कुल अलग ढंग से मेरी सेवा करते हैं. यदि तुम वादा करो कि तुम हमेशा के लिए अपना घमंड छोड़ दोगे तो मैं तुम्हें माफ कर दूंगा."

The crow promised to remain humble and said, "Thank you for teaching me that we all have our own limitations. I will always remember this!"

The goose forgave him and they became good friends.

कौवे ने विनम्र बने रहने का वादा किया और कहा, "मुझे यह सिखाने के लिए धन्यवाद कि हम सभी की अपनी सीमाएँ होती हैं. मैं इस सीख को हमेशा याद रखूँगा!"

हंस ने कौवे को माफ कर दिया और फिर वे दोनों अच्छे दोस्त बन गये.

End